एनसीवेब ने राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ मनाया राष्ट्रीय पोषण माह

नई दिल्ली/टीम डिजिटल। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन-कॉलेजिएट वुमेन्स एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) एवं राष्ट्रीय महिला आयोग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को पाचवां राष्ट्रीय पोषण माह का डीयू कॉन्फ्रेंस सेंटर में आयोजन किया। मुख्यअतिथि राष्ट्रीय महिला आयोग सदस्य सचिव मीता राजीवलोचन,विशिष्ठ अतिथि डीयू प्रोक्टर रजनी अब्बी एवं डीयू रजिस्ट्रार विकासगुप्ता ने उद्बोधन दिया। समारोह में एनसीवेब चेयरपर्सन बलराम पाणी, निदेशक प्रो.गीता भट्टा एवं उप निदेशक डॉ.सुरेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंतर्गत पोषण संबंधी जागरूकता के लिए मातृ-शिशु पोषण, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य आदि विषयों पर छात्राओं एवं प्राध्यापकों के लिए तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमंा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, पोषण शिक्षण हेतु दृश्य-श्रव्य प्रतियोगिता (विषयवस्तु- आप वही हैं, जो आप खाते हैं) एवं सांस्कृतिक एवं पारम्परिक पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता शामिल थीं।

मुख्य अतिथि मीता राजीवलोचन ने कहा कि पौष्टिक भोजन से ही उच्च रोग-प्रतिरोधक क्षमता संभव है। बलराम पाणी ने बताया पौष्टिक आहार के लिए पोषण संम्बंधी ज्ञान एवं पोषक तत्त्वों

का निश्चित अनुपात ग्रहण करना आवश्यक है। निदेशिका गीता भट्ट ने सभी को एनसीवेब की स्थापना के उद्देश्य, उपलब्धियों एवं नवाचारों से अवगत कराया। उन्होंने भारत सरकार द्वारा पोषण माह के आयोजन को एक अच्छी पहल बताया। प्रोक्टर रजनी अब्बी ने स्वयं की आवश्यकता के अनुसार एवं मौसम के अनुरूप ही भोज्य पदार्थों के सेवन पर बल दिया। रजिस्ट्रार विकास गुप्ता ने कहा कि अच्छे पोषक तत्त्व ही हमें सशक्त बना सकते हैं। कार्यक्रम के अन्त में विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन नविता ने किया।

Nutrition Awareness: डीयू में एनसीवेब और राष्ट्रीय महिला आयोग ने पोषण संबंधी जागरूकता के राष्ट्रीय पोषण माह का किया आयोजन

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के नॉन कॉलेजिएट विमेंस एजुकेशन बोर्ड(NCWEB) और राष्ट्रीय महिला आयोग के संयुक्त तत्वाधान में '5वें राष्ट्रीय पोषण माह-2022' का सोमवार को आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर के कॉन्फ्रेंस सेंटर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन लोगों में पोषण के महत्व को बढ़ावा देने और बेहतर आहार के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य सचिव मीता राजीवलोचन शामिल हुईं।

पोषण से संबंधित जागरूकता के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डीयू की प्रॉक्टर रजनी अब्बी और डीयू के रजिस्ट्रार प्रो डॉ विकास गुप्ता उपस्थित हुए। कार्यक्रम में एनसीवेब के चेयरपर्सन प्रो बलराम पाणी, डायरेक्टर प्रो गीता भट्ट और डिप्टी डायरेक्टर डॉ सुरेन्द्र कुमार भी शामिल हुए। कार्यक्रम में कई प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें काफी संख्या में एनसीवेब की छात्राओं ने हिस्सा लिया। छात्राओं ने पोषण को लेकर कई अच्छे पोस्टर भी तैयार किए।

डीयू के कॉन्फ्रेंस सेंटर में एनसीवेब और राष्ट्रीय महिला आयोग ने राष्ट्रीय पोषण माह का किया आयोजन।

पौष्टिक भोजन से बढ़ेगी रोग प्रतिरोधक क्षमता मीता राजीवलोचन ने कहा कि पौष्टिक भोजन से ही उच्च रोग-प्रतिरोधक क्षमता संभव है। वहीं, बलराम पाणी ने बताया पौष्टिक आहार के लिए पोषण संबंधी ज्ञान और पोषक तत्वों का सही तरीके से प्राप्त करना जरूरी है। डायरेक्टर प्रो गीता भट्ट ने सभी को एनसीवेब की स्थापना के उद्देश्य, उपलब्धियों एवं नवाचारों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह को वर्ष 2018 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था। रजनी अब्बी ने स्वयं की आवश्यकता के अनुसार एवं मौसम के अनुरूप ही भोज्य पदार्थों के सेवन पर बल दिया। प्रो डॉ विकास गुप्ता ने कहा कि अच्छे पोषक तत्त्व ही हमें सशक्त बना सकते हैं।

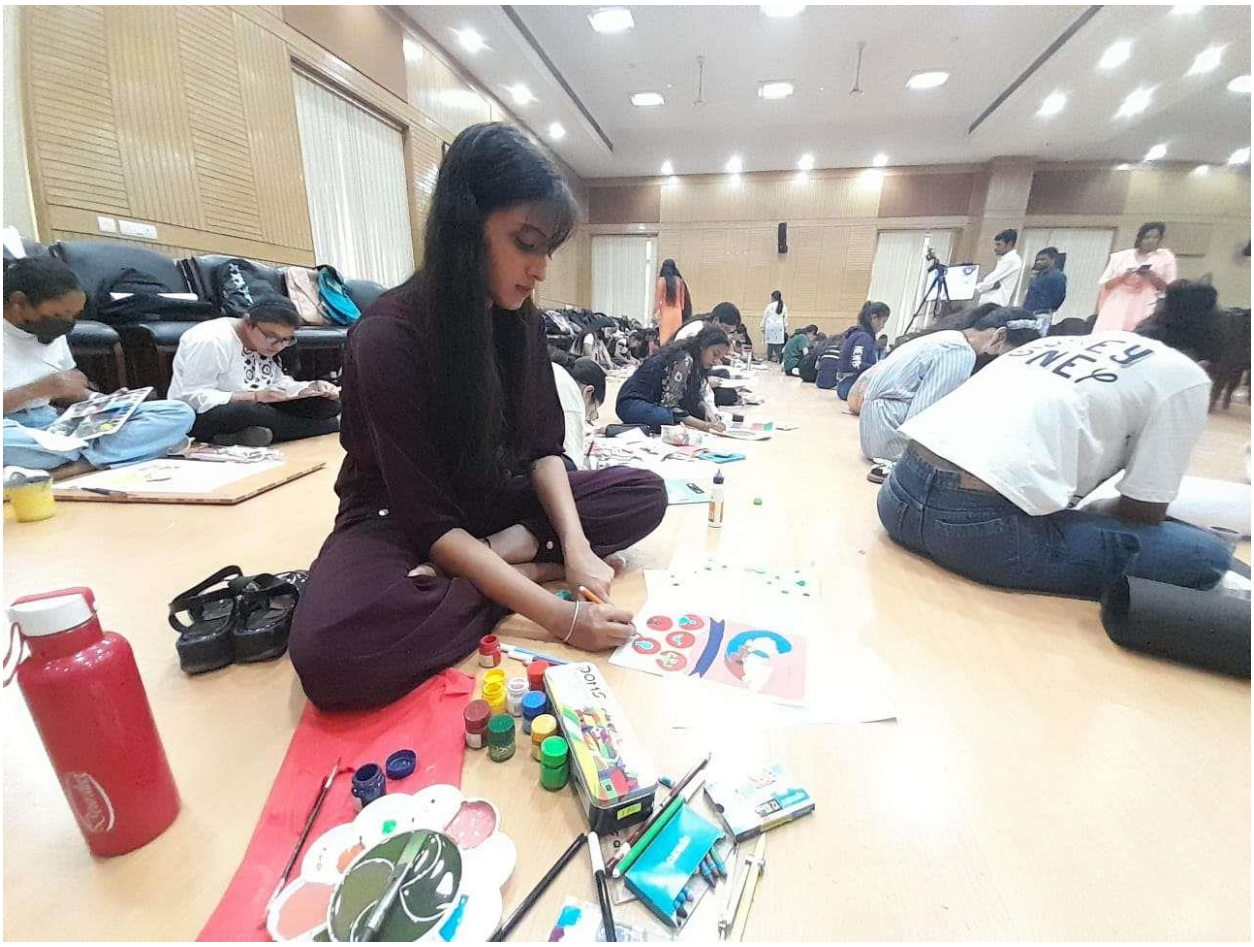

प्रतियोगिता की हुआ आयोजन कार्यक्रम में पोषण संबंधी जागरूकता के लिए मातृ-शिशु पोषण, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य आदि विषयों पर छात्राओं और प्राध्यापकों के लिए तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमें पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, पोषण शिक्षा के लिए ऑडियो-विजुअल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। साथ ही सांस्कृतिक एवं पारम्परिक पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता शामिल थीं। कार्यक्रम में सभी एनसीवेब कॉलेज सेंटर के 500 से अधिक छात्राएं, प्रोफेसर और पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही कई छात्रो ने न्यूट्रीशन से जुड़े हुए कई बेहतरीन पोस्टर भी तैयार किए। जिन्हें पुरस्कृत भी किया गया।